जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक : *भोगल*
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 107
दिनांक 14.09.2021

केन्या जाकर कम पानी में प्याज की खेती करेंगे– डॉ. डेविड़
जनेकृविवि से कीनियाई छात्र ने प्राप्त की पी.एच.डी. डिग्री

जबलपुर 14 सितम्बर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय स्थित कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय में अध्ययनरत कीनियाई छात्र श्री डेविड़ रोप क्लिंगटन को कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन ने पी.एच.डी की उपाधि एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया। उपाधि पाकर छात्र का चेहरा खिल उठा।

61 वर्षीय डॉ. डेविड ने 27 अगस्त 2018 को जनेकृविवि में प्रवेश लिया था और निर्धारित 3 वर्ष की अवधि में उन्होंने अपनी पी.एच.डी. उपाधि प्राप्त कर ली। श्री डेविड़ ने बताया कि एडमीशन के समय उन्हें भारत के अनेक विश्वविद्यालयों की सूची दी गयी थी, किन्तु उन्होंने जनेकृविवि का चयन किया और उन्हें इस बात की प्रसन्नता है कि उनका चयन एकदम सही रहा। क्योंकि उन्हें यहां आवास, शिक्षण, देखभाल, अनुसंधानकार्यो सहित सभी बिन्दुओं पर भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ। उपाधि संबंधी सभी कार्य समय पर करने के लिये कुलसचिव श्री रेवासिंह सिसोदिया व संचालक शिक्षण डॉ. अभिषेक शुक्ला और उनके कार्यालयों का आभार माना। गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और अनुसंधान के लिये अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी संकाय डॉ. अतुल श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष मृदा एवं जल अभियांत्रिकी विभाग डॉ. आर.के. नेमा और अपनी एडवायजरी कमेटी के सदस्यों डॉ. एस.के प्यासी, डॉ. आर.एन. श्रीवास्तव, डॉ. एम.के. अवस्थी एवं डॉ. एस.के. पाण्डे को धन्यवाद ज्ञापित किया।

डॉ. डेविड ने अपना अनुसंधान कार्य ''कम से कम पानी के उपयोाग से गुणवत्ता युक्त प्याज उत्पादन'' विषय में किया है। उन्होंने बताया कि सामान्य अवस्था से लगभग 50 प्रतिशत पानी पर भी ड्रिप इरीगेशन, मल्च तकनीक के साथ प्याज का उचित उत्पादन लिया जा सकता है। डॉ. डेविड़ अपने साथ अनुसंधान के दौरान उपजाई प्याज की निशानी लेकर इस संदेश के साथ केन्या जा रहे है कि प्याज जैसी आवश्यक वस्तु में लगभग 50 प्रतिशत पानी की बचत कर उपज को अपने देश केन्या में बढ़ायेंगे। भारत की इस तकनीक को केन्यावासी सदैव याद रखेंगे।

–000–